वर्ष-3, अंक 2, फरवरी, 2020

राज भवन संवाद

राज भवन, बिहार की मासिक पत्रिका

विशेष आकर्षण

राज्यपाल श्री फागू चौहान ने 'गणतंत्र दिवस' के अवसर पर गाँधी मैदान, पटना में राष्ट्रीय झंडोत्तोलन किया

राज्यपाल ने 92 अमर शहीदों की वीर नारियों को सम्मानित किया

राज्यपाल की अध्यक्षता में कुलपतियों की बैठक राजभवन में आयोजित हुई

'गणतंत्र दिवस-समारोह-2020' के अवसर पर- श्री फागू चौहान, महामहिम राज्यपाल, बिहार के अभिभाषण का अंश

गाँधी मैदान, पटना में आयोजित 'गणतंत्र-दिवस-समारोह' में उपस्थित जन-समुदाय को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री फागू चौहान -26 जनवरी 2020

भाइयो, बहनो एवं प्यारे बच्चो,

राष्ट्र के 71वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आप सबको एवं समस्त बिहारवासियों को मैं हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

आज ही के दिन 1950 में हमारा देश एक गौरवशाली संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित हुआ और संसदीय व्यवस्था पर आधारित शासन की नींव रखी गई। संविधान के माध्यम से राष्ट्र के सभी नागरिकों के लिए सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय तथा विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता सुनिश्चित हुई है। संविधान द्वारा प्रदत्त प्रतिष्ठा और अवसर की समानता तथा लोगों को गरिमापूर्ण जीवन उपलब्ध कराने के सिद्धान्त हमारे पथप्रदर्शक हैं। इन्हीं के सहारे देश के सर्वांगीण विकास की परिकल्पनायें पूरी हो रही हैं।

राज्य सरकार ने सुशासन एवं न्याय के साथ विकास के सिद्धान्त पर राज्य के विकास के लिए सार्थक प्रयास किया है। विकास और कल्याण के पथ पर सभी क्षेत्रों और वर्गों को साथ लेकर चलने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। राज्य सरकार द्वारा समावेशी एवं विकेन्द्रीकृत विकास की नीति अपनाई गई है। बिहार को देश के विकसित राज्यों की श्रेणी में लाने के निमित्त सुशासन के कार्यक्रम सम्पूर्ण राज्य में लागू किये गये हैं।

बिहार में 'कानून का राज' स्थापित रखना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। राज्य में संगठित अपराध पर अंकुश लगाया गया है और यही व्यवस्था निरंतर जारी है। बिना किसी भेद-भाव के कानूनी प्रावधानों का अनुसरण कराते हुए अपराध-नियंत्रण की ठोस व्यवस्था लागू है। पुलिस तंत्र के सुदृढ़ीकरण हेतु अनेक कदम उठाये गये हैं ताकि वे अपने दायित्वों का निर्वहन कुशलतापूर्वक कर सकें। यह सरकार के संकल्प का ही परिणाम है कि राज्य में सामाजिक सौहार्द एवं साम्प्रदायिक सद्भाव का वातावरण है।

भ्रष्टाचार के विरूद्ध 'जीरो टॉलरेन्स' की नीति पर राज्य सरकार की मुहिम जारी है। भ्रष्ट लोक सेवकों के विरूद्ध कार्रवाई निरन्तर की जा रही है। प्रशासनिक एवं वित्तीय संरचनाओं को सुदृढ़ और पारदर्शी बनाने के साथ-साथ राज्य के नागरिकों को कानूनी अधिकार देकर सशक्त बनाने की नीति पर लगातार काम किया जा रहा है।

सरकार की कामना है कि समाज में सद्भाव एवं भाईचारा का वातावरण कायम रहे। 'गणतंत्र दिवस' के शुभ अवसर पर मैं आप सबका आह्वान करता हूँ कि उन्नत बिहार के साथ-साथ समाज-सुधार हेतु प्रतिबद्ध तथा पर्यावरण के प्रति जागरूक बिहार बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभायें। 'गणतंत्र-दिवस' के अवसर पर एक बार पुनः आप सबको अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ।

जय हिन्द!

महामहिम राज्यपाल ने '71वें गणतंत्र दिवस' के अवसर पर पटना के ऐतिहासिक गाँधी मैदान में बिहारवासियों को संबोधित करते हुए सुशासन एवं न्याय के साथ विकास के सिद्धांत पर आधारित राज्य की प्रगति हेतु संकल्पित होने का आह्वान किया है। राज्यपाल ने भारतीय गणतंत्र एवं संविधान के प्रति दृढ़ आस्था रखने तथा देश की एकता, अखंडता एवं सद्भावना को सुदृढ़ करने में सबसे भरपूर सहयोग की अपील भी की है। राज्यपाल द्वारा 'गणतंत्र दिवस' पर दिए गये भाषण के प्रमुख अंश इस बार 'राजभवन संवाद' में प्रस्तुत किए गये हैं।

राजभवन में आयोजित 'अमर शहीदों की वीर नारियों के सम्मान–समारोह' से संबंधित रपट भी इस पत्रिका के वर्तमान अंक में प्रमुखता से प्रकाशित है। पटना विश्वविद्यालय तथा जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के दीक्षांत समारोह से जुड़ी रपटें भी इस बार की पत्रिका में समाहित हैं। अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को पत्रिका में 'विविधा' स्तंभ के अन्तर्गत संकलित किया गया है।

'राजभवन संवाद' को सूचनात्मक पत्रिका बनाने के साथ–साथ इसमें रचनात्मकता एवं विविधता लाने के प्रयास भी भविष्य में किए जाएँगे। पत्रिका की उपयोगिता के विकास हेतु आवश्यक सुझावों का सदैव स्वागत रहेगा।

शुभकामनाओं सहित।

(ब्रजेश मेहरोत्रा)
राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव

वर्ष-2, अंक-11, नवम्बर 2019
प्रधान सम्पादक
ब्रजेश मेहरोत्रा

सम्पादक मंडल
संजय कुमार
सुनील कुमार पाठक

इस अंक में

- 'गणतंत्र दिवस–समरोह–2020' (गाँधी मैदान, पटना) के अवसर पर–श्री फागू चौहान, महामहिम राज्यपाल, बिहार के अभिभाषण का अंश
- राज्यपाल श्री फागू चौहान ने 'गणतंत्र दिवस' के अवसर पर गाँधी मैदान, पटना में राष्ट्रीय झंडोत्तोलन किया तथा बिहारवासियों को सम्बोधित किया
- राजभवन में ''गणतंत्र दिवस'' के अवसर पर 'एट होम' समारोह एवं 'सांस्कृतिक कार्यक्रम' आयोजित हुए
- राज्यपाल ने 92 अमर शहीदों की वीर नारियों को सम्मानित किया
- राज्यपाल की अध्यक्षता में कुलपतियों की बैठक राजभवन में आयोजित हुई
- राज्य में उच्च शिक्षा के विकास–प्रयासों के सार्थक नतीजे सामने आने लगे हैं–राज्यपाल
- जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा का 'पंचम दीक्षान्त समारोह' आयोजित हुआ
- जल–संकट से उबरने के प्रयासों को तेज किया जाना बेहद जरूरी है–राज्यपाल
- विविधा
- राजकीय समरोह

सम्पादकीय पता: जन–सम्पर्क शाखा, राजभवन, पटना–22
ई मेल- pr.rajbhavan@gmail.com
दूरभाष- 0612-2786119

राज्यपाल श्री फागू चौहान ने 'गणतंत्र दिवस' के अवसर पर गाँधी मैदान, पटना में राष्ट्रीय झंडोत्तोलन किया तथा बिहारवासियों को सम्बोधित किया

शहीद–ए–कारगिल स्मृति –स्थल, पटना पर शहीदों का नमन करते हुए राज्यपाल श्री फागू चौहान– 26 जनवरी 2020

आज महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने 71वें गणतंत्र दिवस–समारोह–2020 के सुअवसर पर स्थानीय गाँधी मैदान में पूर्वाह्न 09:00 बजे राष्ट्रीय झंडोत्तोलन किया। इसके पूर्व, राज्यपाल शहीद–ए–कारगिल स्मृति स्थल, पटना गये और अमर शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि निवेदित की। राज्यपाल के गाँधी मैदान पहुँचने पर माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने उनका स्वागत किया, उन्हें राष्ट्रीय सलामी दी गई तथा बाद में राज्यपाल ने खुली जीप में परेड का निरीक्षण किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय धुन बजाई गई। राज्यपाल ने 'मार्च पास्ट' की भी सलामी ली तथा उनके द्वारा 'गणतंत्र दिवस–2020' के अवसर पर 'शौर्य पुरस्कार' से अलंकृत विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किये गये। राज्यपाल ने विभिन्न सरकारी विभागों/संगठनों द्वारा निकाली गयी झाँकियों को भी अवलोकित किया।

राज्यपाल श्री चौहान ने ऐतिहासिक गाँधी मैदान में 'गणतंत्र दिवस' के अवसर पर राज्य की जनता को संबोधित करते हुए उन्हें 'गणतंत्र दिवस' की शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर बोलते हुए राज्यपाल ने कहा कि राज्य सरकार ने सुशासन एवं न्याय के साथ विकास के सिद्धान्त पर राज्य के विकास के लिए सार्थक प्रयास किये हैं। विकास और कल्याण के पथ पर सभी क्षेत्रों और वर्गों को साथ लेकर चलने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है।

श्री चौहान ने कहा कि बिहार में कानून का राज स्थापित रखना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। संगठित अपराध पर अंकुश लगाया गया है और यही व्यवस्था निरंतर जारी है।

राज्यपाल ने कहा कि भ्रष्टाचार के विरूद्ध 'जीरो टॉलरेन्स' की नीति पर राज्य सरकार की मुहिम जारी है। भ्रष्ट लोक सेवकों के विरूद्ध कार्रवाई निरन्तर की जा रही है। प्रशासनिक एवं वित्तीय संरचनाओं को सुदृढ़ और पारदर्शी बनाने के साथ–साथ राज्य के नागरिकों को कानूनी अधिकार देकर सशक्त बनाने की नीति पर लगातार काम किया जा रहा है। राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि प्रशासन के निचले स्तरों पर भ्रष्टाचार की समस्या के निदान के लिए बिहार लोक सेवाओं का अधिकार कानून के अंतर्गत अद्यतन 23 करोड़ 5 लाख आवेदनों का निष्पादन कर नागरिकों को विभिन्न लोक सेवाएँ एक नियत समय–सीमा के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई हैं।

राज्यपाल ने कहा कि राज्य सरकार ने मानव–संसाधन की पूरी क्षमता के उपयोग के लिए शिक्षा पर शुरू से ही विशेष ध्यान दिया है। प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र में एक ओर जहाँ पोशाक, साईकिल, छात्रवृत्ति एवं अन्य कई योजनाएँ लागू की गई, वहीं दूसरी ओर विद्यालयों की आधारभूत संरचनाओं को मजबूत किया गया है। अब कक्षा 9 में लड़कियों की संख्या लड़कों के बराबर पहुँच गयी है। राज्यपाल ने बताया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पूरे बिहार में 'उन्नयन बिहार कार्यक्रम' चलाया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत उच्च माध्यमिक विद्यालयों में वर्ग–9 एवं 10 के लिए 'स्मार्ट वर्गकक्ष' स्थापित कर छात्र/छात्राओं को पढ़ाया जा रहा है। इस कार्यक्रम को और व्यापक बनाते हुए इसे उच्च माध्यमिक विद्यालयों में भी लागू करने का निर्णय लिया गया है। राज्य सरकार द्वारा सभी पंचायतों में उच्च माध्यमिक विद्यालयों की स्थापना का निर्णय लिया गया है, जिसके तहत 5 हजार 726 पंचायतों में उच्च माध्यमिक विद्यालयों का संचालन प्रारंभ हो गया है तथा शेष पंचायतों में भी वर्ग 9 कक्षा की पढ़ाई अप्रैल, 2020 से आरंभ की जाएगी। राज्य में विश्वविद्यालय शिक्षकों की त्वरित नियुक्ति हेतु 'बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग' का गठन किया गया है।

राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि बिहारवासियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक सुधार किया है। प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अनुमंडल एवं जिला अस्पताल एक क्रियाशील स्वास्थ्य केन्द्र के रूप में कार्यरत हैं। इससे लोगों का विश्वास स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ा है और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार करा रहे रोगियों की संख्या जो वर्ष 2006 में प्रतिमाह 39 थी, अब बढ़कर प्रतिमाह लगभग 10000 तक पहुँच गयी है।

राज्यपाल ने कहा कि बिहार की 89 प्रतिशत आबादी गाँवों में निवास करती हैं और 76 प्रतिशत जनसंख्या अपनी आजीविका के लिए कृषि एवं कृषि –आधारित कार्यों पर आश्रित है। कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के समग्र विकास हेतु सरकार द्वारा 'कृषि रोड मैप' बनाकर कई महत्वाकांक्षी कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों की बदौलत कृषि एवं संबद्ध प्रक्षेत्रों में उत्पादन एवं उत्पादकता में गुणात्मक वृद्धि एवं किसानों की आय में बढ़ोत्तरी हुई है। साथ ही प्रत्येक भारतीय के थाल में बिहार का एक व्यंजन पहुँचाने के संकल्प को नई दिशा मिली है।

राज्यपाल ने कहा कि आधारभूत संरचनाओं का विस्तार बिहार के कोने–कोने तक हुआ है। बिहार में सड़कों तथा पुल–पुलियों का जाल बिछाकर, अब राज्य के सुदूर क्षेत्र से 5 घंटे में राजधानी पटना पहुँचने के लक्ष्य पर कार्य योजना बनाकर निर्माण कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि अब सरकार की नीति है कि चाहे सड़क हो या पुल अथवा भवन सभी के निर्माण के साथ 'मैंटेनेंस' की भी व्यवस्था साथ में लागू की जायेगी।

राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि सरकार ने 'आरक्षित रोजगार, महिलाओं का अधिकार' के तहत राज्य की सभी सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था फरवरी, 2016 से ही लागू कर दी है।

राज्यपाल ने कहा कि बिजली के सभी क्षेत्रों में, यथा– उत्पादन, संचरण, वितरण की व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है। 'हर घर बिजली' निश्चय के तहत राज्य के हर इच्छुक परिवार को बिजली का कनेक्शन उपलब्ध करा दिया गया है। यह बिजली में हुए सुधार का ही नतीजा है कि वर्ष 2005 में बिजली की आपूर्ति जहाँ 700 मेगावाट थी, वह अब बढ़कर 5 हजार 891 मेगावाट से अधिक हो गयी है।

राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि 'हर घर नल का जल' के तहत शहर एवं गाँवों के सभी घरों में नल का जल तथा 'घर तक पक्की गली–नालियाँ' निश्चय के तहत सभी घरों तक पक्की नली गली का निर्माण भी इस वर्ष में पूरा कर लिया जाएगा। 'टोला सम्पर्क निश्चय योजना' के तहत सम्पर्क विहीन टोलों को इस वर्ष पक्की सड़क से जोड़ दिया जाएगा। 'शौचालय निर्माण, घर का सम्मान' के अन्तर्गत इस वर्ष तक पूरे बिहार को खुले में शौच से मुक्त करने का लक्ष्य है।

महामहिम राज्यपाल श्री चौहान के बताया कि बिहार की नयी पीढ़ी को शिक्षा, कौशल –विकास एवं रोजगार के अवसर प्रदान करते हुए सक्षम बनाने के लिए 'आर्थिक हल, युवाओं को बल' निश्चय के तहत 'बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना', 'मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना' एवं 'कुशल युवा कार्यक्रम' को क्रियान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त 319 सरकारी विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों में निःशुल्क वाई–फाई के माध्यम से इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। राज्य में युवाओं की उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए

500 करोड़ रूपए के 'वेंचर कैपिटल फंड' का प्रावधान एवं 'इन्क्यूबेशन सेन्टर' की स्थापना की गयी है।

राज्यपाल ने कहा कि 'अवसर बढ़ें, आगे पढ़ें' निश्चय के तहत प्रत्येक जिला में इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेकनिक संस्थान, महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, जी.एन.एम. संस्थान, पैरा–मेडिकल संस्थान तथा प्रत्येक अनुमण्डल में सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान एवं ए.एन.एम. संस्थान की स्थापना की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि राज्य में 11 नये मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की जा रही है तथा सभी मेडिकल कॉलेजों में नर्सिंग कॉलेज खोलने की कार्रवाई की जा रही है।

राज्यपाल ने कहा कि राज्य सरकार ने समावेशी विकास के लक्ष्यों के साथ कभी समझौता नहीं किया है। सरकार की रणनीति उन सभी नागरिकों को सशक्त बनाने की रही है, जो तुलनात्मक रूप से वंचित हैं और हाशिए पर हैं। राज्य सरकार द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अतिपिछड़े एवं पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं तथा बच्चों की शिक्षा, कौशल एवं आर्थिक विकास पर बल देते हुए अनेक कल्याणकारी कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि राज्य सरकार महिला सशक्तीकरण के प्रति हमेशा संवेदनशील रही है और यह सरकार की नीतियों का अभिन्न अंग है। राज्य में ''महिला सशक्तीकरण नीति'' लागू की गई है। 'जीविका' कार्यक्रम के तहत महिला स्वयं सहायता समूहों के गठन से महिलाओं में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता बढ़ी है।

राज्यपाल ने कहा कि 'सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना' के तहत बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रारंभिक परीक्षा पास करने वाले अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जाति तथा अति पिछड़ा वर्ग के सभी अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा की तैयारी हेतु पचास हजार रू0 एवं संघ लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा में पास करने वाले सभी अभ्यर्थियों को एक लाख रूपये प्रोत्साहन राशि दी जा रही है।

राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि अल्पसंख्यकों के लिए राज्य सरकार पूर्व से छात्रवृति, मेधावृति, शिक्षा ऋण, रोजगार ऋण, कौशल विकास, परित्यक्ता सहायता, कोचिंग आदि योजनाओं का सफल संचालन कर रही है। 'मुस्लिम परित्यक्ता सहायता योजना' की सहायता राशि 10 हजार से बढ़ाकर 25 हजार कर दी गई है।

राज्यपाल ने कहा कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं अति पिछड़े वर्ग के लोगों के वास भूमि क्रय हेतु ''मुख्यमंत्री वास स्थल क्रय सहायता योजना'' लागू की गई है।

राज्यपाल ने कहा कि राज्य सरकार भू–विवादों के समाधान के लिए सचेष्ट है। पारिवारिक बटवारे के निबंधन के लिए राज्य सरकार ने 'स्टाम्प शुल्क' को घटाकर मात्र 50 रूपये तथा निबंधन शुल्क को भी घटाकर 50 रूपये किया है। अब लोग अपने पारिवारिक बँटवारे का निबंधन सांकेतिक खर्चे पर करा रहे हैं।

राज्य की जनता को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि बिहार देश का बहु–आपदा प्रवण राज्य है। राज्य सरकार आपदा पीड़ितों को राहत एवं बचाव का हरसंभव मदद पहुँचाने के लिए कटिबद्ध है। विभिन्न आपदाओं के लिए मानक संचालन–प्रक्रिया गठित कर, 'आपदा–रिस्पांस' में मानदंड स्थापित करने में बिहार देश का अग्रणी राज्य है।

राज्यपाल ने बताया कि अब तक बाढ़ एवं सुखाड़ से प्रभावित सभी 43 लाख 38 हजार 117 परिवारों को कुल 2298.21 करोड़ रूपये की सहायता दी गई है। साथ ही सूखे के कारण खरीफ मौसम में खेती नहीं कर पाने वाले तथा बाढ़ एवं अतिवृष्टि के कारण फसल क्षति वाले किसानों की सहायता के लिए 'कृषि इनपुट अनुदान' हेतु 772.48 करोड़ रुपये स्वीकृत किये गये हैं और अब तक 4.4 लाख किसानों को 205. 32 करोड़ रुपये का हस्तान्तरण कर दिया गया है। श्री चौहान ने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि राज्य के खजाने पर पहला अधिकार आपदा–पीड़ितों का है। इस संकल्प के तहत राज्य सरकार आपदा–पीड़ितों को मदद मुहैया कराने के लिए हमेशा तैयार है।

राज्यपाल ने कहा कि इन दिनों जलवायु–परिवर्तन सबसे बड़े खतरे के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि जलवायु–परिवर्तन से उत्पन्न इन समस्याओं से निपटने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा 26 अक्टूबर, 2019 से 'जल–जीवन–हरियाली' अभियान शुरू किया गया है। इसके अंतर्गत 24 हजार 524 करोड़ रुपये की योजनाओं का मिशन मोड में क्रियान्वयन किया जा रहा है तथा इसके अनुश्रवण एवं परामर्श की संस्थागत व्यवस्था की गई है। 'जल–जीवन–हरियाली' अभियान के अंतर्गत सार्वजनिक जल–स्रोतों को अतिक्रमण मुक्त कराना, जल–स्रोतों एवं कुँओं का जीर्णोद्धार करना, सोख्ता–निर्माण, नये जल–स्रोतों का सृजन, जल–संरक्षण हेतु चेक डैम निर्माण, सरकारी भवनों पर छत–वर्षा जल–संचयन, मौसम अनुकूल कृषि, बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण, सौर ऊर्जा पर जोर तथा जागरूकता अभियान शामिल है। श्री चौहान ने कहा कि 'जल–जीवन–हरियाली' जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, इसके अंतर्गत 19 जनवरी, 2020 को राज्य में 18 हजार किलोमीटर से अधिक लम्बी मानव शृंखला बनी, जिसमें 5 करोड़ 16 लाख से अधिक लोगों ने भाग लेकर पर्यावरण के संरक्षण के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। पर्यावरण–संरक्षण के समर्थन में बनी यह ऐतिहासिक मानव शृंखला विश्व में किसी भी मुद्दे पर बनी, अब तक की सबसे लम्बी मानव शृंखला है। उन्होंने कहा कि यह शृंखला नशा–मुक्ति के पक्ष में तथा दहेज–प्रथा एवं बाल–विवाह के खिलाफ में भी थी। इसके माध्यम से बिहार की जनता ने न सिर्फ देश को बल्कि पूरे विश्व को पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का संदेश दिया है।

अपने संबोधन के अंत में राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि सरकार की कामना है कि समाज में सद्भाव एवं भाईचारा का वातावरण कायम रहे। 'गणतंत्र दिवस' के शुभ अवसर पर राज्यपाल ने राज्य की जनता का आह्वान करते हुए कहा कि उन्नत बिहार के साथ–साथ समाज–सुधार हेतु प्रतिबद्ध तथा पर्यावरण के प्रति जागरूक बिहार बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभायें। राज्यपाल ने 'गणतंत्र दिवस' के अवसर पर सभी बिहारवासियों एवं देशवासियों को शुभकामनाएँ दी।

'गणतंत्र दिवस समारोह–2020' में नगर विकास एवं आवास विभाग, जीविका, उद्योग विभाग, मद्य–निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, परिवहन विभाग, महिला विकास निगम, कृषि विभाग, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, स्वास्थ्य विभाग, पर्यटन विभाग, निर्वाचन विभाग, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, पथ निर्माण विभाग, ब्रेडा, ग्रामीण विकास विभाग तथा सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, जल संसाधन विभाग एवं खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, बिहार के द्वारा झाँकियाँ प्रस्तुत की गई।

'गणतंत्र दिवस समारोह–2020' में प्रदर्शित की गई झाँकियों में बिहार शिक्षा परियोजना परिषद् को प्रथम पुरस्कार, उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान, पटना, उद्योग विभाग, बिहार को द्वितीय पुरस्कार एवं स्वास्थ्य विभाग को तृतीय पुरस्कार प्रदान किये जाने की घोषणा की गई। साथ ही बेस्ट पैरेड के लिए प्रोफेशनल ग्रुप में बी॰आर॰सी॰ दानापुर आर्मी एवं नन–प्रोफेशनल में एन॰सी॰सी॰ एयरविंग, बेस्ट टर्न आउट प्रोफेशनल ग्रुप में एस॰टी॰एफ॰ तथा नन–प्रोफेशनल के लिए एन॰सी॰सी॰ आर्मी गर्ल्स, बेस्ट प्लाटून कमाण्डर प्रोफेशनल ग्रुप में आई॰टी॰बी॰पी॰ एवं नन प्रोफेशनल में भारत स्काऊट एण्ड गाईड को भी पुरस्कार प्रदान किये जाने की भी घोषणा की गई।

'गणतंत्र–दिवस को गाँधी मैदान पहुँचने पर राज्यपाल का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार–26 जनवरी 2020

राजभवन में 'गणतंत्र दिवस' के अवसर पर 'एट होम' समारोह एवं 'सांस्कृतिक कार्यक्रम' आयोजित हुए

राजभवन में 'गणतंत्र–दिवस' के अवसर पर आयोजित 'एट होम' समारोह में राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री–26 जनवरी 2020

'गणतंत्र दिवस–2020' के अवसर पर आज शाम राजभवन में आयोजित 'एट होम' समारोह' में महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान, माननीय मुख्यमंत्रीश्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, बिहार विधान सभा के अध्यक्ष श्री विजय कुमार चौधरी, पथ निर्माण मंत्री श्री नन्द किशोर यादव, जल संसाधन मंत्री श्री संजय कुमार झा, लोकायुक्त, प्रदेश भाजपा के संगठन महामंत्री श्री नागेन्द्र जी, पटना नगर निगम की मेयर, कई पूर्व मंत्रीगण, विधायकगण एवं विधान पार्षदगण, जन–प्रतिनिधिगण, बिहार के मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक, वरीय सैन्य अधिकारीगण, जन–प्रतिनिधिगण, विभिन्न आयोगों/ समितियों/ संगठनों के अध्यक्ष एवं सदस्यगण, कुलपतिगण, वरीय प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारीगण, बुद्धिजीवीगण एवं अन्य कई आमंत्रित गणमान्य अतिथिगण शामिल हुए।

'एट होम' समारोह के बाद संध्या में राजभवन स्थित 'राजेन्द्र मंडपम्' में 'किलकारी', बिहार बाल भवन, 'भारतीय नृत्य कला मंदिर' एवं 'प्रांगण' के कलाकारों द्वारा एक रंगमय आकर्षक 'सांस्कृतिक कार्यक्रम' भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें देशभक्तिपूर्ण गीत, लोकगीत, समूह गीत एवं लोक नृत्य प्रस्तुत किये गये। सांस्कृतिक समारोह में देशभक्ति गीत, सूफियाना कव्वाली एवं होली गीत की दर्शकों ने काफी सराहना की। महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान जी के साथ कार्यक्रम में कलाकारों की समूह फोटोग्राफी भी हुई।

'गणतंत्र–दिवस' के अवसर पर राजभवन के राजेन्द्र–मंडप में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का एक दृश्य– 26 जनवरी 2020

राज्यपाल ने 92 अमर शहीदों की वीर नारियों को सम्मानित किया

'वीर नारी सम्मान समारोह' में राज्यपाल श्री फागू चौहान– 22 जनवरी 2020

"आज नये भारत का उदय हो रहा है। 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' के सपने का लक्ष्य यही है कि हमारी राष्ट्रीय एकता और सद्भावना को और अधिक शक्ति और सुदृढ़ता मिले तथा सामाजिक समरसता का विकास हो। समाज में शांति और सद्भावना के लिए आपसी भाईचारा जरूरी है तथा देश की एकता और अखंडता के लिए हमारे भीतर राष्ट्रीयता की भावना का भरपूर विकास जरूरी है।" –उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने 22 जनवरी 2020 को राज्यपाल सचिवालय एवं सैनिक कल्याण निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में राजभवन परिसर स्थित राजेन्द्र मंडप में आज आयोजित अमर शहीद सैन्य अधिकारियों एवं सैनिकों की वीर नारियों के सम्मान में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

'वीर नारी सम्मान समारोह–2020' को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि अपने वीर सैनिकों और उनके परिवारों की हर संभव सहायता करना हमारा फर्ज ही नहीं, नैतिक दायित्व भी है।

राज्यपाल ने कहा कि विभिन्न युद्धों और सीमाओं की रक्षा तथा आंतरिक सुरक्षा और शांति–बहाली के क्रम में अपने प्राणों का अनुपम बलिदान देनेवाले देश के अमर शहीद सैनिकों से हमें राष्ट्र के प्रति प्रेम, त्याग और अपना सर्वस्व न्योछावर करने की प्रेरणा मिलती है।

राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि कार्यरत सभी सैन्य एवं सिविल अधिकारियों का भी यह दायित्व है कि वे इस बात पूरा ख्याल रखें कि अमर शहीदों की वीर नारियों को किसी भी समय कोई कठिनाई नहीं हो तथा उनकी स्वास्थ्य–सुविधाओं की समुचित व्यवस्था हो। उन्होंने कहा कि रोजगार/स्वरोजगार के समुचित अवसर उपलब्ध कराते हुए वीर नारियों का आर्थिक सशक्तीकरण भी जरूरी है ताकि उनके आश्रितों का भी समुचित विकास हो सके।

राज्यपाल ने 'वीर नारी सम्मान समारोह' के दौरान' वर्ष 1967 से 2003 तक की अवधि के दौरान शहीद हुए राज्य के अमर शहीद सैन्य अधिकारियों एवं सैनिकों की 92 वीर नारियों को आदर सहित अंगवस्त्रम्, सम्मान–पत्र एवं प्रत्येक को 51 हजार रूपये की सम्मान–राशि प्रदान की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विशेष सचिव, गृह विभाग श्री सुनील कुमार ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार सैनिकों तथा वीर शहीदों के आश्रितों के कल्याणार्थ अनेक योजनाएँ संचालित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि मेधावी छात्रवृत्ति, वैवाहिक अनुदान, मकान मरम्मती अनुदान, विधवा पुनर्विवाह अनुदान, शिक्षा अनुदान तथा रक्षा संस्थान में मेधा के आधार पर चयनोपरान्त आर्थिक अनुदान आदि से संबंधित विभिन्न सरकारी सहायताएँ सैनिकों एवं अमर शहीदों के आश्रितों के लिए उपलब्ध करायी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर 5 जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारियों की नियुक्ति हो चुकी है तथा 8 की नियुक्ति प्रक्रियाधीन है। विशेष सचिव ने कहा कि जिलों में स्वतंत्र रूप से जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारियों की नियुक्ति के बाद सैनिक कल्याण से जुड़े मामलों के निस्तारण में पर्याप्त तेजी आयेगी।

कार्यक्रम में धन्यवाद–ज्ञापन राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा ने किया, जबकि स्वागत–भाषण सैनिक कल्याण निदेशालय के निदेशक कर्नल दिलीप प्रसाद ने किया। कार्यक्रम में अपर पुलिस महानिदेशक (विधि व्यवस्था) श्री अमित कुमार, बिहार–झारखंड सब एरिया मुख्यालय के जी॰ओ॰सी॰ मेजर जनरल राजपाल पुनिया, डिप्टी कमांडेन्ट कर्नल विनीत लोहिया, राज्यपाल सचिवालय के संयुक्त सचिव श्री राजकुमार सिन्हा सहित राज्यपाल सचिवालय, सैनिक कल्याण निदेशालय, बिहार रेजिमेन्ट सेन्टर, दानापुर एवं जिला प्रशासन के वरीय अधिकारीगण आदि भी उपस्थित थे।

राज्यपाल की अध्यक्षता में कुलपतियों की बैठक राजभवन में आयोजित हुई

राजभवन में आयोजित कुलपतियों की बैठक में राज्यपाल श्री फागू चौहान–9 जनवरी 2020

महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री फागू चौहान की अध्यक्षता में 9 जनवरी, 2020 को राजभवन में राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की एक उच्चस्तरीय समीक्षा–बैठक आयोजित की गई, जिसमें राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा एवं राजभवन के वरीय अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री फागू चौहान ने कहा कि नये वर्ष में उच्च शिक्षा के सुधार–प्रयासों में और अधिक तेजी लाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय–स्तर पर समीक्षा–तंत्र को और अधिक सुदृढ़ किये जाने की जरूरत है। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन के विभिन्न वरीय पदाधिकारियों द्वारा विभिन्न अंगीभूत महाविद्यालयों/एफलीएटेड कॉलेजों/बी॰एड॰ कॉलेजों आदि का पर्यवेक्षण किए जाने से वहाँ के क्रियाकलापों में नियमितता विकसित होगी। राज्यपाल ने महाविद्यालयों की गतिविधियों के नियमित अनुश्रवण के लिए एक तंत्र विकसित करने के लिए भी आवश्यक निदेश प्रदान करते हुए इस दिशा में शीघ्र परिपत्र जारी करने के लिए अपर मुख्य सचिव को कहा।

राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि विभिन्न विश्वविद्यालयीय विभागों एवं महाविद्यालयों में विभागवार/विषयवार शिक्षकों की रिक्तियों एवं छात्रों के नामांकन का आकलन किया जाना आवश्यक है। राज्यपाल ने कहा कि जिन विषयों के अध्ययन के प्रति छात्रों की ज्यादा रूझान है, उनमें शिक्षकों की पर्याप्तता होनी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति के क्रम में 'युक्तिकरण' (Rationalization) का ध्यान रखा जाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि ऐसा देखा जा रहा है किसी–किसी विषय में काफी अधिक संख्या में छात्र नामांकित हैं जबकि संबंधित विषय के शिक्षकों की वहाँ कमी है। दूसरी ओर किसी–किसी विषय में निर्धारित संख्या से काफी कम छात्र–नामांकन होने के बावजूद वहाँ अनुपाततः अधिक शिक्षक कार्यरत हैं। राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि 'युक्तिकरण' के कार्य को वर्तमान समय की माँग, छात्रों की अभिरूचि और उनकी नामांकन संख्या के अनुरूप निष्पादित किया जाना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि बी॰एड॰ में नामांकन हेतु आयोजित होनेवाली 'कम्बाइंड इंटरेन्स टेस्ट', जो इस बार ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा द्वारा आयोजित की जा रही है, उसमें 'कान्सिलिंग' एवं विद्यार्थियों के द्वारा 'च्वायस' देने की प्रक्रिया इस रूप में निर्धारित होनी चाहिए ताकि परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों को नामांकन लेने में कोई असुविधा न हो तथा विभिन्न बी॰एड॰ कॉलेजों के निर्धारित सीटों पर सही ढंग से नामांकन भी हो जायें। राज्यपाल ने कहा कि 'कम्बाइंड इंटरेन्स टेस्ट' में अनुत्तीर्ण कोई छात्र किसी महाविद्यालय में नामांकित होकर बी॰एड॰ पाठ्यक्रम की परीक्षा में शामिल न हो पाए –यह हर हाल में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि बिना 'कम्बाइंड इंटरेन्स टेस्ट (CET)' पास किए विद्यार्थियों के नामांकन लेनेवाले कॉलेजों के विरूद्ध भी आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए।

समीक्षा के दौरान राज्यपाल ने पूर्वलंबित परीक्षाओं के निर्धारित कार्यक्रमानुसार संचालन पर संतोष व्यक्त किया एवं कहा कि वर्तमान शैक्षणिक–सत्र में जून, 2020 के पहले सभी पूर्वलंबित परीक्षाएँ लेते हुए सभी सत्र नियमित कर दिये जाने चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि बायोमैट्रिक उपकरणों का सभी महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयीय विभागों में संस्थापन हर हालत में अविलंब सुनिश्चित किया जाना चाहिए तथा इनका सदुपयोग करते हुए प्राप्त उपस्थिति–विवरणी का सम्यक् अनुश्रवण भी होना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि 'नैक–प्रत्ययन' की प्रक्रिया में भी तेजी लाने की जरूरत है। जिन विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों का नैक–मूल्यांकन हो चुका है, उन्हें अपनी ग्रेडिंग–सुधार हेतु प्रयास करना चाहिए ताकि शिक्षण–संस्थानों को केन्द्रीय एजेन्सियों से समुचित वित्तीय सहायता उपलब्ध हो सके।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा ने कहा कि महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति द्वारा प्रदान किए गए मार्ग–दर्शन के अनुरूप विश्वविद्यालय प्रशासन को उच्च शिक्षा के सुधार विषयक प्रयासों को तेजी से कार्यान्वित करना है।

राज्य में उच्च शिक्षा के विकास–प्रयासों के सार्थक नतीजे सामने आने लगे हैं–राज्यपाल

पटना विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल श्री फागू चौहान– 4 जनवरी 2020

"नये वर्ष में उच्च शिक्षा के विकास–प्रयासों को और अधिक तेज किया जायेगा। केन्द्र एवं राज्य सरकार विश्वविद्यालयीय शिक्षा के विकास हेतु पर्याप्त धनराशि उपलब्ध करा रही हैं। केन्द्रीय शैक्षणिक एजेन्सियों का भी पर्याप्त सहयोग मिल रहा है। उच्च शिक्षा के विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों के सार्थक नतीजे सामने आ रहे हैं।"–उक्त विचार, महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने बापू सभागार में 4 जनवरी 2020 को आयोजित पटना विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए आज व्यक्त किये। राज्यपाल ने कहा कि पटना विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों में 50% से अधिक छात्राएँ हैं। इस तरह यह विश्वविद्यालय बिहार में महिला सशक्तीकरण की दिशा में भी एक नया इतिहास रचने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि आज के दीक्षांत–समारोह में भी 80% से अधिक 'गोल्ड मेडल' बेटियों को मिला है। यह पूरे राज्य के लिए गौरव की बात है।

अध्यक्षीय पद से दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि गुणात्मक शिक्षा के बिना सतत विकास की कल्पना नहीं की जा सकती और इस दिशा में 'नैक' की महत्वपूर्ण भूमिका है। अतः सभी महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों का यह पहला दायित्व है कि वह अपना नैक–मूल्यांकन प्राथमिकता के आधार पर यथाशीघ्र करायें। जिन संस्थाओं का नैक–मूल्यांकन हो चुका है, उन्हें अपनी 'रैंकिंग' में सतत सुधार के लिए प्रयास करना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा और संस्कृति का बहुत प्रगाढ़ संबंध रहा है। शिक्षा से व्यक्ति में संस्कार विकसित होते हैं तथा वह सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध होता है। आज शिक्षा द्वारा सांस्कृतिक वातावरण को समृद्ध करने की जरुरत है ताकि हमारी भावी पीढ़ी में विश्वास, प्रेम, सहयोग और आत्मीयता का विकास हो सके। हमारे विश्वविद्यालयों को स्वतंत्रता, समानता, विचार–अभिव्यक्ति की स्वस्थ परम्परा, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति आस्था तथा भारतीय संविधान के प्रति दृढ़निष्ठा को विकसित करनेवाले अकादमिक संस्थानों के रूप में विकसित होना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि आज कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक सम्पूर्ण भारत एक राष्ट्रीय ध्वज के अन्तर्गत एक संविधान से परिचालित हो रहा है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना की है एवं राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के '150वें जयन्ती वर्ष' में स्वच्छता और आरोग्यता पर ध्यान देते हुए 'स्वस्थ भारत' के स्वप्न को साकार करने की अपील की है। आज भारत सरकार पर्यावरण–संतुलन बनाये रखने की दिशा में ठोस प्रयास कर रही है। यह अत्यन्त प्रशंसनीय है कि बिहार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार भी पर्यावरण के प्रति जन–चेतना विकसित करने के लिए पूरे बिहार राज्य में 'जल–जीवन–हरियाली' नामक विशेष जागरूकता अभियान चला रहे हैं। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत युवाशक्ति का आह्वान करते हुए कहा कि वे राज्य में वन एवं पर्यावरण के समुचित विकास में भरपूर योगदान दें। राज्यपाल ने समारोह में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को नव वर्ष की शुभकामनाएँ भी दी।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए राज्य के शिक्षा मंत्री श्री कृष्ण नन्दन प्रसाद वर्मा ने कहा कि 'मैंने भी पटना विश्वविद्यालय से ही उच्च शिक्षा ग्रहण की है और आज राज्य के शिक्षा मंत्री के रूप में दीक्षांत–समारोह को संबोधित करना मेरे लिए सौभाग्य और गौरव की बात है।" शिक्षा मंत्री ने राज्य में शिक्षा–विकास के लिए संचालित योजनाओं पर भी प्रकाश डाला।

'दीक्षांत–भाषण' में बोलते हुए इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ नागेश्वर राव ने कहा कि पटना विश्वविद्यालय की गौरवशाली परम्परा रही है। उन्होंने विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक वातावरण के सुधार के साथ–साथ प्रजातांत्रिक और नैतिक मूल्यों के विकास को भी आवश्यक बताया।

समारोह में पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ रास बिहारी प्रसाद सिंह ने पटना विश्वविद्यालय की उपलब्धियों एवं आगामी कार्य–योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

दीक्षांत समारोह में पीएच॰डी॰ उपाधि प्राप्त, स्वर्णपदक प्राप्त एवं अन्य डिग्रियाँ प्राप्त करनेवाले विद्यार्थियों के बीच राज्यपाल–सह–कुलाधिपति, शिक्षामंत्री एवं 'इग्नू' के कुलपति ने डिग्रियाँ वितरित की। समारोह में प्रतिकुलपति प्रो॰ डॉली सिन्हा भी उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन कुलसचिव कर्नल मनोज मिश्रा ने किया। समारोह में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति/प्रतिकुलपति, विश्वविद्यालय एवं शिक्षा विभाग के पदाधिकारीगण, छात्रनेता आदि भी उपस्थित थे।

जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा का 'पंचम दीक्षान्त समारोह' आयोजित हुआ

"उच्च शिक्षा ग्रहण करनेवाले विद्यार्थियों के जीवन में 'दीक्षान्त समारोह' का क्षण अविस्मरणीय होता है। 'दीक्षान्त' वास्तव में पढ़ाई का अन्त नहीं है, बल्कि यह जीवन की लम्बी अथकित यात्रा का एक पड़ाव है। 'दीक्षान्त समारोह' में जो 'प्रमाण–पत्र' और 'पदक' दिये जाते हैं, वे इस बात के परिचायक हैं कि विद्यार्थी अब वास्तविक जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हो गए हैं।"– उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल ने 21 जनवरी, 2020 को जय प्रकाश विश्वद्यालय, छपरा के 'पंचम दीक्षांत समारोह' को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते कहा कि सफलता का यह उत्सव जितना आपके लिए आनन्ददायक और गौरवपूर्ण है, उतना ही आपके अभिभावकों, गुरुओं तथा उन सबके लिए भी महत्वपूर्ण है, जिन्होंने आपके जीवन को ज्ञानमय और आनन्दमय बनाने के लिए तन–मन–धन से आपको सहयोग दिया है। मैं सबको बधाई देता हूँ और आप सबके सुखमय उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करता हूँ।

राज्यपाल ने कहा कि इस दीक्षांत–समारोह के कुल 34 स्वर्ण–पदक–विजेताओं में छात्राओं की संख्या 24 है। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च स्तर का प्रदर्शन करने में बेटियों के बढ़ते वर्चस्व को एक सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन के साथ ही 'नारी सशक्तीकरण' के प्रयासों की सफलता के रूप में भी देखा जाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि इस परिवर्तन से हमारे देश और समाज की शक्ति और प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल– 21 जनवरी 2020

राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा में एक वर्ष के भीतर यह दूसरा 'दीक्षांत समारोह' आयोजित होना प्रसन्नता की बात है। पहले यहाँ नियमित रूप से 'दीक्षांत समारोह' आयोजित नहीं होते थे, परन्तु हाल के दिनों में तेजी से लंबित परीक्षाओं को आयोजित कराया गया है और डिग्री–वितरण का काम हो रहा है। उन्होंने इसके लिए विश्वविद्यालय के कुलपति एवं उनकी पूरी प्रशासनिक टीम को बधाई भी दी।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ हरिकेश सिंह ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। दीक्षांत–समारोह को केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ के कुलपति प्रो॰ जी॰ समतेन जी ने भी संबोधित किया। समारोह के दौरान राज्यपाल ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा का भी अनावरण किया। समारोह में प्रतिकुलपति प्रो॰ अशोक कुमार झा एवं कुलसचिव कैप्टन श्री कृष्णन भी मौजूद थे।

जल–संकट से उबरने के प्रयासों को तेज किया जाना बेहद जरूरी है–राज्यपाल

इंडियन वाटर वर्क्स एसोसियेशन के सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल– 10 जनवरी 2020

"जल संकट को लेकर पूरा विश्व समुदाय आज चिन्तित है। इस समस्या के निदान हेतु अब अगर हम नहीं जगे तो हमारा जीवन ही नहीं बचेगा। आज हमें सभी स्तरों पर पूरी जिम्मेदारी एवं ईमानदारी के साथ समन्वित प्रयास करने की आवश्यकता है, ताकि हमारा वर्तमान भी सुरक्षित रह सके और आनेवाली पीढ़ियों को भी हम सही–सलामत रख सकें।" –उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने आज इंडियन वाटर वर्क्स एसोसियेशन के स्थानीय एन॰आई॰टी॰ परिसर में 10 जनवरी 2020 को आयोजित '52वें वार्षिक सम्मेलन–2020' में सम्मेलन के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल ने कहा कि आज वैज्ञानिक तरीके से 'रेन वाटर हार्वेस्टिंग' के जरिये जल –संरक्षण एवं समुचित जल–प्रबंधन की नितान्त आवश्यकता है। वर्षा जल के समुचित प्रबंधन नहीं होने के कारण वर्षा का पानी बहता हुआ नदी–नालों से होते हुए समुद्र के खारे पानी में मिल जाता है और वह हमारे लिए उपयोगी नहीं रह जाता। जल–संकट से बचने के लिए वर्षा–जल का संचयन ही एकमात्र विकल्प है। उन्होंने कहा कि जल–संरक्षण के लिए आज यह जरूरी हो गया है कि हम सब मिलकर अपने परम्परागत जल स्रोतों –कुआँ, तालाब, आहर, पाईन आदि को भी पुनर्जीवित करने का प्रयास करें।

राज्यपाल ने कहा कि विगत कुछ वर्षों में राज्य के कुछ इलाकों में औसत वर्षापात में कमी हुई है, जिसके फलस्वरूप भू–जल में गिरावट आने लगी है। उन्होंने कहा कि आज भू–जल स्तर में गिरावट एक गंभीर चिन्ता का विषय बन गया है। इस संदर्भ में राज्य सरकार द्वारा "जल–जीवन–हरियाली" नाम से एक महत्वाकांक्षी योजना का कार्यान्वयन हर पंचायत में प्रारंभ किया गया है।

राज्यपाल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को बधाई देते हुए कहा कि इन दोनों नेताओं ने जल–समस्या को काफी गंभीरता से लेते हुए न केवल महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन प्रारम्भ कर दिया है, बल्कि इसके लिए जन–चेतना विकसित करने का भी अभियान छेड़ दिया है।

राज्यपाल ने भरोसा व्यक्त किया कि इंडियन वाटर वर्क्स एसोसियेशन के बैनर तले आयोजित इस 'जल सम्मेलन' में सभी जल–वैज्ञानिक, पर्यावरणविद् एवं अभियंतागण पेयजल के संकट पर सार्थक चिन्तन–मनन करेंगे एवं इसका वैज्ञानिक समाधान निकालेंगे, ताकि पूरे देश में जल–समस्या से मानव–जीवन कुप्रभावित नहीं हो सके।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य के लोक स्वास्थ्य एवं अभियंत्रण मंत्री श्री विनोद नारायण झा ने कहा कि 'जल–जीवन–हरियाली' कार्यक्रम से जल–संकट तथा पर्यावरण–असंतुलन दोनों समस्याओं से निजात पाने में आसानी होगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री के सलाहकार एवं पूर्व मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह ने जल–समस्या को लेकर राज्य सरकार की चिन्ताओं एवं तदनुरूप आवश्यक कार्रवाइयों की भी जानकारी दी। कार्यक्रम में सुलभ इंटरनेशनल के संस्थापक डॉ॰ विन्देश्वर पाठक ने भी पेयजल –निर्माण, स्वच्छता–विकास एवं शौचालय–निर्माण विषयक अपनी संस्था के प्रयासों की जानकारी दी।

समारोह के उद्‌घाटन–सत्र में इंडियन वाटर वर्क्स एसोसियेशन के नये अध्यक्ष डॉ॰ दिनेश्वर प्रसाद सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। राज्यपाल ने समारोह में 'स्मारिका' का भी विमोचन किया।

पटना विश्वविद्यालय का स्थापना-दिवस-समारोह आयोजित

"उच्च शिक्षा केवल नौकरी के लिए ही जरूरी नहीं होती, अपितु इससे मनुष्य में संवेदनशीलता और नैतिकता का भी विकास होता है। समाज के अभिवंचित, दलित और पिछड़े वर्ग को विकास की मुख्य धारा में लाना भी आज बहुत जरूरी है।"–उक्त उदगार, महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री फागू चौहान ने पटना विश्वविद्यालय, पटना के '103वें स्थापना दिवस समारोह' को व्हीलर सीनेट हाऊस में 11 जनवरी 2020 को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल ने कहा कि पटना विश्वविद्यालय के पिछले 103 वर्षों का इतिहास इस बात का साक्षी है कि इसने अपने विद्यार्थियों को 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने योग्य बनाने का काम किया है।

राज्यपाल ने छात्र–नेताओं से भी विश्वविद्यालय के विकास में अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने समारोह में स्नातक स्तरीय विभिन्न विषयों में 'स्वर्णपदक' प्राप्त करनेवाले विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को डिग्रियाँ एवं पदक प्रदान किए एवं उन्हें बधाइयाँ दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रासबिहारी प्रसाद ने कहा कि पटना विश्वविद्यालय एवं इसके सभी अंगीभूत कॉलेज 'नैक ग्रेडिंग' में बेहतरी के लिए पुरजोर प्रयास करेंगे।

कार्यक्रम में स्वागत–भाषण प्रतिकुलपति प्रो0 डॉली सिन्हा ने तथा धन्यवाद–ज्ञापन कुलसचिव कर्नल मनोज मिश्रा ने किया। समारोह में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा की उपस्थित थे।

पटना वीमेंस कॉलेज के स्थापना दिवस-समारोह का राज्यपाल ने उद्घाटन किया

"वस्तुतः किसी भी राष्ट्र की प्रगति इस बात पर निर्भर करती है कि वहाँ की शिक्षा–व्यवस्था कितनी सुदृढ़ है। आज वही राष्ट्र विकसित देशों की कतार में अगली पंक्ति में खड़े हैं, जिन्होंने शिक्षा के महत्त्व को पूरी गंभीरता से समझा है और उसके विकास के लिए अपने सभी संसाधनों और वित्तीय क्षमता का सदुपयोग किया है।" –उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने स्थानीय पटना वीमेंस कॉलेज सभागार में 25 जनवरी, 2020 को आयोजित कॉलेज के वार्षिक–दिवस–समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

समारोह में बोलते हुए पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ रास बिहारी प्रसाद सिंह ने कहा कि तैयार हो रही 'नई शिक्षा नीति' में मातृ, मातृभाषा और मातृभूमि पर विशेष ध्यान दिया गया है।

कार्यक्रम को महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्या सिस्टर डोरिस डि'शूजा ने भी संबोधित किया। स्वागत–भाषण महाविद्यालय की प्राचार्या सिस्टर रश्मि ए॰सी॰ ने किया। समारोह में पटना विश्वविद्यालय की प्रतिकुलपति प्रो॰ डॉली सिन्हा एवं कुलसचिव कर्नल मनोज मिश्रा भी उपस्थित थे। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाली छात्राओं को महामहिम राज्यपाल ने पुरस्कृत भी किया। कार्यक्रम में छात्राओं ने देशभक्ति एवं प्राकृतिक

सुषमा पर आधारित गीत–संगीत, नृत्य–नाटिका आदि के कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये।

राज्यपाल की अध्यक्षता में बिहार राज्य बाल कल्याण परिषद् की बैठक आयोजित हुई

महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान की अध्यक्षता में राजभवन संचालित 'बिहार राज्य बाल कल्याण परिषद्' की बैठक 13 जनवरी, 2020 को राजभवन में आयोजित हुई, जिसमें समाज कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अतुल प्रसाद, राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव श्री संजय कुमार सहित राज्यपाल सचिवालय, वित्त विभाग, समाज कल्याण विभाग तथा बिहार राज्य बाल कल्याण परिषद् के पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी–सदस्यगण आदि उपस्थित थे।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि 'बिहार राज्य बाल कल्याण परिषद्' की गतिविधियों को नये वर्ष में और अधिक तेज करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राज्यस्तरीय 'पेंटिंग प्रतियोगिता' एवं 'बाल दिवस समारोह' के आयोजनों के अतिरिक्त परिषद् को बाल–कल्याण से संबंधित विभिन्न आयोजनों एवं गतिविधियों को तत्परतापूर्वक संचालित करना चाहिए। बैठक में राज्यपाल ने निदेशित किया कि परिषद् की कार्यकारिणी में कुछ सदस्यों तथा निदेशक, समाज कल्याण को शामिल करते हुए शीघ्र एक समिति का गठन कर दिया जाये, ताकि वह समिति परिषद् की वार्षिक गतिविधियों के सम्यक् संचालन के लिए एक 'Annual Calendar of Events' तैयार कर प्रस्तावित कर दे, जिसे समुचित विचारोपरांत अनुमोदित कर दिया जायेगा।

बैठक के अंत में बिहार राज्य बाल कल्याण परिषद् के उपाध्यक्ष श्री अजित कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

राज्यपाल ने गरीबों के बीच कम्बल वितरित किया

महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने 20 जनवरी, 2020 को राजभवन परिसर स्थित राजेन्द्र मंडप में इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, पटना शाखा द्वारा आयोजित 'कम्बल–वितरण कार्यक्रम' में झुग्गी–झोपड़ियों में रहनेवाले लगभग 700 गरीब एवं कमजोर वर्ग के लोगों के बीच कम्बल–वितरित किया।

कम्बल–वितरण कार्यक्रम में रेडक्रॉस पटना ब्रांच के चेयरमैन डॉ॰ बी॰बी॰ सिन्हा, वाइस चेयरमैन श्री उदयशंकर प्रसाद सिंह, कोषाध्यक्ष श्री दिनेश कुमार जायसवाल आदि भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने बिहार संग्रहालय का परिभ्रमण कर उसकी विभिन्न दीर्घाओं का अवलोकन किया

महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने 12 जनवरी 2020 को बिहार संग्रहालय का परिभ्रमण इसकी विभिन्न दीर्घाओं का अवलोकन किया। राज्यपाल के साथ पूर्व मुख्य सचिव– सह–बिहार संग्रहालय की सलाहकार समिति के अध्यक्ष श्री अंजनी कुमार सिंह, राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, कला– संस्कृति एवं युवा विभाग के प्रधान सचिव श्री रवि परमार एवं बिहार संग्रहालय के निदेशक श्री दीपक आनंद आदि ने भी बिहार संग्रहालय का अवलोकन किया।

राज्यपाल श्री चौहान ने सर्वप्रथम बिहार संग्रहालय में बिहार की ऐतिहासिक– सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक विरासत पर बनी फिल्म का अवलोकन किया। राज्यपाल ने बिहार संग्रहालय में दीदारगंज की यक्षी में समाहित मूर्तिकला की भूरि–भूरि प्रशंसा की और इसकी जीवंतता को अद्‌भुत बताया। राज्यपाल ने बिहार की लोक कला एवं संस्कृति तथा समकालीन कला से जुड़ी कलादीर्घाओं की भी प्रशंसा की तथा 'बाल–दीर्घा' को भी बच्चों के लिए बेहद मनोरंजक एवं कौतूहलदायी बताया। राज्यपाल ने 'बिहार संतति दीर्घा' का भी परिभ्रमण किया। बिहार संग्रहालय सलाहकार समिति के अध्यक्ष श्री अंजनी कुमार सिंह ने राज्यपाल के बिहार संग्रहालय के परिभ्रमण हेतु उनके प्रति आभार व्यक्त किया एवं उन्हें सादर स्मृति–चिह्न भी भेंट किया।

राज्यपाल ने कुमार निर्मलेन्दु की पुस्तक 'मगधनामा' को लोकार्पित किया

महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने 19 जनवरी 2020 को राजभवन में बिहार के शेखपुरा जिलान्तर्गत सादिकपुर ग्रामवासी लेखक श्री कुमार निर्मलेन्दु की पुस्तक 'मगधनामा' को लोकार्पित किया। कुमार निर्मलेन्दु की यह शोधपरक पुस्तक मगध के गौरवशाली इतिहास की रोचक कथात्मक प्रस्तुति है।

पुस्तक को लोकार्पित करते हुए महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने कहा कि बिहार का इतिहास अत्यन्त गौरवमय रहा है। उन्होंने कहा कि मगध साम्राज्य के गौरवशाली इतिहास को प्रामाणिकता और रोचकता के साथ लोकार्पित पुस्तक में लेखक ने प्रस्तुत किया है।

लोकार्पण–कार्यक्रम में श्री ब्रजकिशोर पाण्डेय, श्री युगेश्वर प्रसाद सिंह, श्री शिवकुमार राय, श्री रामनाथ पाण्डेय सहित कई साहित्यकार तथा सामाजिक कार्यकर्त्ता भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने 'भास्कर–उत्सव' का उद्‌घाटन किया

"साहित्य और संस्कृति से ही किसी देश की पहचान बनती है। सूर्य की किरणें भी जहाँ नहीं पहुँच पातीं, वहाँ कवियों की नजर पहुँच जाती है। कविता समाज का दर्पण होती है, जिसमें देखकर लोग–बाग अपना चेहरा सजाते–सँवारते हैं।"–उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने 19 जनवरी 2020 की शाम 'दैनिक भास्कर' अखबार द्वारा स्थानीय बापू सभागार में आयोजित छः दिवसीय 'भास्कर उत्सव' का औपचारिक उद्‌घाटन करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल ने 'भास्कर उत्सव' के सफल आयोजन के लिए भास्कर–समूह को बधाई दी। कार्यक्रम को बिहार के पुलिस महानिदेशक श्री गुप्तेश्वर पाण्डेय ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में स्वागत–भाषण प्रबंध सम्पादक श्री जगदीश शर्मा ने किया। उद्‌घाटन समारोह में मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी श्री सोरेन चटर्जी, राज्य संपादक श्री सतीश कुमार सिंह, संपादक श्री प्रमोद मुकेश आदि भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने 'जियो टी॰वी॰' के महावीर मंदिर लाइव चैनल का उद्‌घाटन किया

महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने स्थानीय महावीर मंदिर परिसर में 17 जनवरी 2020 को 'जिओ टी॰वी॰' के महावीर मंदिर लाइव– चैनल का उद्‌घाटन किया तथा 'श्रवण कुमार पुरस्कार' का वितरण किया।

उद्‌घाटन–समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि हम सभी को भारतीय संस्कृति की महान परम्परा के अनुरूप अपने धर्म का अनुसरण करते हुए दूसरे धर्मों के प्रति भी आदर और सम्मान का भाव रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरे जगत् को 'सीयराममय' देखने का मतलब ही है –सबको एकसमान देखना और समझना। सामाजिक समरसता की यही भावना हमारी धार्मिक निष्ठा के भी केन्द्र में होनी चाहिए।

कार्यक्रम में आचार्य किशोर कुणाल ने महावीर मंदिर न्यास के लोक कल्याणकारी कार्यों का उल्लेख किया। समारोह में न्यायमूर्ति श्री राजेन्द्र प्रसाद (अ॰प्रा॰), पूर्व गृह सचिव श्री जियालाल आर्य, 'जीओ' टी॰वी॰ प्रबंधन के अधिकारी श्री सुब्रह्मण्यम अय्यर, श्री अखिलेश कुमार जैन आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये। धन्यवाद–ज्ञापन प्रो॰ बलवीर सिंह ने किया।

राज्यपाल ने तख्त श्री हरिमंदिर जी, पटना साहिब एवं बाल लीला गुरूद्वारा, मैनी संगत, पटना साहिब जाकर मत्था टेका

महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने 2 जनवरी 2020 को दशमेश गुरू श्री गुरू गोबिन्द सिंह जी महाराज के '353वें 'प्रकाश पर्व' के अवसर पर तख्त श्री हरिमंदिर जी,पटना साहिब एवं बाल लीला गुरूद्वारा, मैनी संगत, पटना साहिब पहुँचकर मत्था टेका तथा बिहार राज्य की बहुमुखी प्रगति एवं शांति तथा बिहारवासियों की सुख–समृद्धि की मंगलकामना की।

राज्यपाल श्री चौहान ने श्री गुरू गोबिन्द सिंह जी के 'प्रकाश उत्सव' के शुभ अवसर पर मंगलकामना की कि सामाजिक समरसता और सद्भावना के वातावरण में समस्त बिहार प्रगति–पथ पर तेजी से आगे बढ़ता रहे।

तख्त श्री हरिमंदिर जी, पटना साहिब पहुँचने पर महामहिम राज्यपाल कास्वागत प्रधान श्री अवतार सिंह हित, प्रबंधक कमिटी के महासचिव श्री महेन्द्रपाल सिंह ढिल्लो, सचिव श्री महेन्द्र सिंह छाबड़ा, डॉ॰ गुरूमीत सिंह तथा प्रबंधक कमिटी के अन्य पदाधिकारियों आदि ने किया।

गुरू गोबिन्द सिंह जी की बाल–लीलाओं के प्रतीक 'बाल लीला गुरूद्वारा मैनी संगत, पटना साहिब' पहुँचने पर राज्यपाल को बाबा कश्मीर सिंह भूरीवाले, बाबा सुखविन्दर सिंह एवं बाबा गुरूविन्दर सिंह आदि संतों ने शुभकामनाएँ दी।

राज्यपाल ने शक्तिपीठ माता पटनदेवी की पूजा–अर्चना की

महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने 2 जनवरी 2020 को शक्तिपीठ माता पटनदेवी की पूजा–अर्चना की तथा समस्त बिहारवासियों की सुख–समृद्धि एवं शांति की मंगलकामना की।

राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि पूजा – अर्चना से मन को शांति तथा समाज में सद्भावना विकसित करने की प्रेरणा मिलती है।

ज्ञातव्य है कि पटनदेवी मंदिर को एक सिद्धपीठ माना जाता है, जहाँ काफी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन को पहुँचते हैं।

राज्यपाल से योगगुरू स्वामी रामदेव ने राजभवन में मुलाकात की

महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान से 20 जनवरी 2020 को राजभवन पहुँचकर योगगुरू स्वामी रामदेव ने शिष्टाचार मुलाकात की।

स्वामी रामदेव ने राज्य में हो रहे विकास–कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि बिहार का इतिहास गौरवशाली है और यहाँ की अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए समेकित कृषि के विकास हेतु किए जा रहे प्रयास भी सराहनीय हैं। स्वामी रामदेव ने राजभवन में देशी गायों के पालन तथा 'धन्वन्तरि वाटिका' आदि की स्थापना की भी प्रशंसा की।

मुलाकात के दौरान राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा तथा पतंजलि योगपीठ के श्री एस॰के॰ तिजारावाला भी उपस्थित थे।

राज्यपाल को सूचना मंत्री ने 'बिहार डायरी–2020' सादर समर्पित किया

राज्यपाल श्री फागू चौहान को सूचना एवं जन–सम्पर्क विभाग के माननीय मंत्री श्री नीरज कुमार ने 1 जनवरी 2020 को सूचना एवं जन–सम्पर्क विभाग, बिहार द्वारा प्रकाशित 'बिहार डायरी–2020' एवं 'बिहार कैलेण्डर–2020' सादर समर्पित किया।

राज्यपाल श्री चौहान ने 'बिहार डायरी' एवं 'बिहार कैलेण्डर' के ससमय प्रकाशन पर खुशी जाहिर की एवं माननीय मंत्री को बधाई दी। राज्यपाल श्री चौहान ने 'बिहार कैलेण्डर' के माध्यम से सरकार की विकासपरक नीतियों, उपलब्धियों एवं बिहार की विरासतों को जन–समुदाय के बीच प्रचारित–प्रसारित करने के सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के सार्थक प्रयासों की प्रशंसा करते हुए धन्यवाद दिया।

उक्त मौके पर राज्यपाल को माननीय मंत्री ने बताया कि 'बिहार कैलेण्डर' के कवर पेज के अतिरिक्त सभी बारह पन्नों पर अलग–अलग थीम पर आधारित चित्र प्रकाशित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि कैलेण्डर में कवर के अतिरिक्त पहले पेज से बारहवें पेज पर क्रमशः –ऊर्जा, प्रशासनिक सुधार के आयाम, विकसित बिहार के 7 निश्चय, मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना, नवनिर्मित एवं प्रस्तावित भवन, वंचित वर्गों का विकास, आपदा प्रबंधन, जल–जीवन–हरियाली, महिला सशक्तीकरण, ईको–टूरिज्म, कृषि एवं सड़क अनुरक्षण –उपशीर्षकों के अंतर्गत सरकारी विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं विषयक उत्कृष्ट रंगीन चित्र प्रकाशित किए गए हैं।

राज्यपाल को सूचना मंत्री द्वारा 'बिहार डायरी' एवं 'बिहार कैलेण्डर' सादर भेंट करते समय सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के निदेशक श्री प्रदीप कुमार झा, उप निदेशक (प्रेस) श्री रविभूषण सहाय एवं राज्यपाल के जनसम्पर्क पदाधिकारी डॉ॰ एस॰के॰ पाठक भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने स्वामी विवेकानन्द की जयन्ती पर उन्हें अपना नमन निवेदित किया

महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने 12 जनवरी को भारत के महान संत एवं आध्यात्मिक गुरू स्वामी विवेकानन्द की जयन्ती के अवसर पर स्थानीय श्रीकृष्ण स्मारक भवन परिसर में स्वामी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें अपना नमन निवेदित किया।

समारोह में माननीय पथ निर्माण मंत्री श्री नंदकिशोर यादव ने भी स्वामी विवेकानन्द के चित्र पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धा निवेदित की।

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने महान स्वतंत्रता–सेनानी नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने 23 जनवरी को गाँधी मैदान, पटना के समीप स्थापित महान स्वतंत्रता–सेनानी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा पर उनकी जयन्ती के अवसर पर माल्यार्पण किया एवं अपनी श्रद्धा निवेदित की।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती के अवसर पर आयोजित उक्त राजकीय समारोह में माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने भी नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने वालों में माननीय पथ निर्माण मंत्री श्री नंदकिशोर यादव एवं माननीय उद्योग मंत्री श्री श्याम रजक आदि प्रमुख थे।

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयन्ती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयन्ती (24 जनवरी) के अवसर पर महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने बिहार विधान मंडल परिसर, पटना स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपना नमन निवेदित किया।

उक्त राजकीय समारोह में माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने भी जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयन्ती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस समारोह में माननीय उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, बिहार विधान सभा के अध्यक्ष श्री विजय कुमार चौधरी, बिहार विधान परिषद् के कार्यकारी सभापति मो॰ हारूण रशीद, माननीय पथ निर्माण मंत्री श्री नन्द किशोर यादव, माननीय शिक्षा मंत्री श्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा, उद्योग मंत्री श्री श्याम रजक, भवन निर्माण मंत्री श्री अशोक चौधरी सहित कई विधायकों, विधान पार्षदों, जन–प्रतिनिधियों, सामाजिक–राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारियों/प्रतिनिधियों, वरीय प्रशासनिक अधिकारियों, गणमान्यजन आदि ने भी जननायक कर्पूरी ठाकुर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने गाँधी घाट पर भारतीय स्वतंत्रता–संग्राम के हुतात्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की

महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने 30 जनवरी को गाँधी घाट पर भारतीय स्वतंत्रता–संग्राम के हुतात्माओं को श्रद्धांजलि दी तथा समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए अपना नमन निवेदित किया।

राजकीय समारोह के इस कार्यक्रम में सशस्त्र पुलिस बल द्वारा शोक–सलामी दी गई तथा उपस्थित सभी व्यक्तियों ने मौन रखा। राज्यपाल श्री फागू चौहान एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार द्वारा गाँधी घाट पर बने समाधि–स्थल पर पुष्पांजलि भी अर्पित की गई।

इस कार्यक्रम में माननीय पथ निर्माण मंत्री श्री नंदकिशोर यादव सहित कई जन–प्रतिनिधिगण, सामाजिक–राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारी/प्रतिनिधिगण, वरीय प्रशासनिक अधिकारीगण आदि ने भी भाग लिया एवं मौन रखते हुए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

राजभवन, पटना में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, राज्यपाल सचिवालय के वरीय अधिकारियों तथा राजभवन कर्मियों ने भी भारतीय स्वतंत्रता–संग्राम में अपनी प्राणाहूति देनेवाले शहीदों को दो मिनट का मौन रखते हुए अपनी श्रद्धांजलि दी।

बिहार के राज्यपाल

(स्वतंत्रता के बाद)

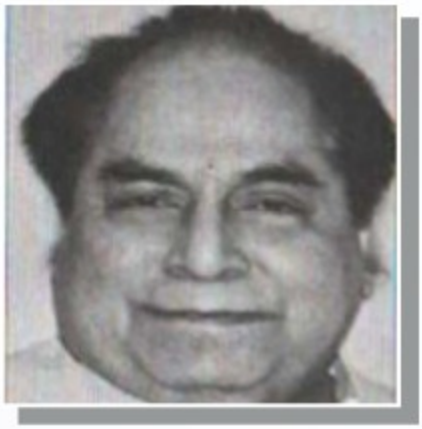

डॉ० डी० वाई० पाटिल

(22 मार्च 2013 – 26 नवम्बर 2014)

ये महाराष्ट्र निवासी शिक्षाविद् हैं। डॉ० पाटिल 1967 एवं 1972 में महाराष्ट्र विधान सभा के लिए निर्वाचित हुए थे। ये 2009 में त्रिपुरा के भी राज्यपाल नियुक्त हुए थे।

***

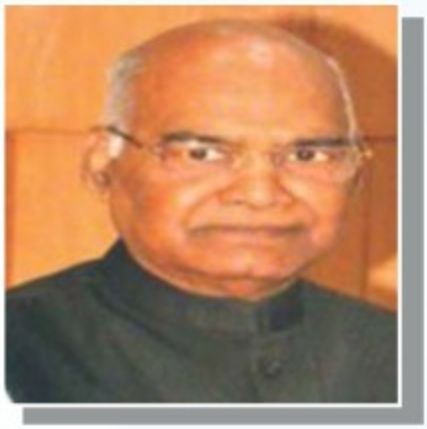

राम नाथ कोविन्द

(16 अगस्त 2015 – 19 जून 2017)

ये 1994 –2006 तक लगातार दो बार राज्य सभा के सांसद रहे। ये बिहार के प्रथम ऐसे राज्यपाल रहे जो राज्यपाल से सीधे भारत के राष्ट्रपति बने।

***

गणतंत्र दिवस–2020 के अवसर पर राजभवन, पटना की
रात्रिकालीन छवि

मुद्रक : लेजर प्रिंटर्स, पटना 4, फोन : 9334116085
laserpatna@gmail.com